भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 157

मंगलवार, 11 दिसम्बर, 2018/20 अग्रहायण, 1940 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में पर्यटन को बाधित कर रहे मगरमच्छ

157. श्री महेश पोद्दारः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में खारे पानी वाले मगरमच्छों ने पर्यटन उद्योग को बाधित किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सुरक्षोपाय के तौर पर पर्यटकों के लिए कोई बीच बंद किए गए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस मुद्दे का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

(क) से (ग) : अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने सूचित किया है कि खारे पानी के मगरमच्छों से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन उद्योग बाधित नहीं हुआ है और न ही किसी समुद्री तट को पर्यटकों के लिए बंद किया गया है । तथापि, जब कभी समुद्रतटों के आस-पास खारे पानी के मगरमच्छ देखे जाते है तो थोड़े समय के लिए पानी में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया जाता था ।

वन विभाग ने राधा नगर बीच, स्मिथ बीच, कारबाइन कोव बीच, जॉली बॉय बीच और वन्डूर बीच, जहां अक्सर पर्यटक आते हैं, पर त्वरित प्रतिक्रिया टीम तैनात की है, जो इन स्थलों के निकट मगरमच्छों के किसी भी संचलन की निगरानी करती है तथा पर्यटन विभाग द्वारा इन समुद्री तटों पर पर्याप्त सुरक्षा उपाय उपलब्ध कराए गए हैं ।

******